स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा - तृतीय खण्ड
(पंचम पत्र - हिन्दी कथा एवं नाट्य साहित्य)
खण्ड-(ख) नाटक - वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

- डॉ० मुन्ना साह
हिन्दी विभाग
जे० के० कॉलेज

नाटक के संदर्भ में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का मत है- "विलक्षण बात यह है कि आधुनिक गद्य साहित्य की परम्परा का प्रवर्तन नाटकों से हुआ।"

(1) भारतेंदु हरिश्चन्द्र ने हिन्दी का प्रथम नाटक किसे माना है?
- 'नहुष' (1859ई.)

(2) पद्य-बद्ध ब्रजभाषा में लिखा गया नाटक का नाम क्या है?
- नहुष

(3) भारत में प्रथम रंगशाला 'प्ले हाउस' नाम से सन् 1776ई० में किस स्थान पर स्थापित किया गया था?
- कलकत्ता

(4) भारतेंदु के समस्त मौलिक एवं अनूदित नाटकों की संख्या कितनी है?
- 17 (वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति, विषस्य विषमौषधम्, प्रेम जोगिनी, भारतदुर्दशा)

(5) भारतेंदु ने नाटक के कितने उद्देश्य बताए हैं?
- 5 (हास्य, शृंगार, कौतुक, समाज संस्कार, देश वत्सलता।)

(6) भारतेंदु हरिश्चन्द्र ने 'नेशनल थियेटर' की स्थापना कहाँ की थी?
- काशी

(7) जयशंकर प्रसाद के प्रसिद्ध नाटकों के क्या नाम हैं?
- सज्जन (1910), कल्याणी परिणय (1912), करुणालय (1914), राज्यश्री (1915), विशाख (1921), अजातशत्रु (1922), जनमेजय का नागयज्ञ (1926), कामना (1927), स्कन्दगुप्त (1928), एक घूँट (1930), चन्द्रगुप्त (1931), ध्रुवस्वामिनी (1933)।

(8) 'चन्द्रगुप्त नाटक' की प्रसिद्धी का कारण क्या है?
- इसका कथानक प्रसिद्ध ऐतिहासिक घटनाओं अलक्षेन्द्र का आक्रमण, नंदवंश का नाश, सिल्यूकस का पराभव, चन्द्रगुप्त की प्रतिष्ठा आदि के आधार पर निर्मित है।

Scanned with CamScanner